No. of Printed Pages : 4

MGP-002

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

MGP-002 : Philosophy of Gandhi

Time : 2 Hours] *[Maximum Marks : 50*

Note: Answer any five questions in about 400 words each. Attempt at least 2 questions from each section.

Section - I

1. Write a critical note on influence of various religions on Gandhi's ideas.

2. Analyse Gandhi's approach towards human nature.

3. "We have to live a life of Ahimsa in the world of himsa, and that is possible only if we cling to truth". Explain this giving reference to Gandhi's views on truth.

4. Explain in brief the intellectual and historical context of Gandhi's idea of non-violence.

5. "The need of the moment is not one religion, but mutual respect and tolerance of the devotees of the different religions." Discuss.

Section - II

6. Explain the importance of truth in human life.

7. 'Satyagraha is both a duty and a right'. Substantiate.

8. Explain Gandhi's views on modern civilization.

9. Crtically analyse Gandhi's views on untouchability and appression of women in Indian society.

10. Discuss the principles of Swadeshi and its relevance in contemporary times.

—x—

एम.जी.पी.-002

एम.ए. (गाँधी और शान्ति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

एम.जी.पी.-002 : गाँधी का दर्शन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट: कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें प्रत्येक अनुभाग में से कम-से-कम दो प्रश्न चुनते हुए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

अनुभाग-I

1. गाँधी के विचारों पर विभिन्न धर्मों के प्रभाव पर एक आलोचनात्मक लेख लिखिये।

2. मानव प्रकृति के प्रति गाँधी के दृष्टिकोण का विश्लेषण कीजिए।

3. "हमे हिंसा की दुनिया में अहिंसा का जीवन व्यतीत करना है और यह तभी सम्भव है जब हम सत्य से चिपके रहें।" सत्य पर गाँधी के विचारों के सन्दर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

4. गाँधी के अहिंसा के विचार के बौद्धिक और ऐतिहासिक सन्दर्भ की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

5. "समय की आवश्यकता एक धर्म नहीं, अपितु विभिन्न धर्मों के अनुयायिओं का आपसी सद्भावना और सहिष्णुता है।" चर्चा कीजिए।

अनुभाग-II

6. मानव जीवन में सत्य की महत्ता की व्याख्या कीजिए।

7. "सत्याग्रह एक दायित्व और अधिकार दोनों हैं।" स्थापित कीजिए।

8. आधुनिक सभ्यता पर गाँधी के विचारों की व्याख्या कीजिए।

9. अस्पृश्यता और भारतीय समाज में महिलाओं के दमन पर गाँधी के विचारों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

10. सामयिक काल में स्वदेशी के सिद्धान्तों और उनकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

—x—